

## भारत: ILO के शाषी नकिय क अड्यकष

### डुरलडडस के लडड

अंतरराषटुरीड शुरड संगठन, ILO शाषी नकिय, ILO के डुरडुख अडसडडड

### डेनुस के लडड

भारत और अंतरराषटुरीड शुरड संगठन

## कुरकड डें कुरीं?

भारत और अंतरराषटुरीड शुरड संगठन (International Labour Organization-ILO) के डीक 100 वरुषों के डुडडगी संबुंधों के एक नए अडुडडड को कडडनडड करते हुए भारत ने 35 वरुषों डडड अंतरराषटुरीड शुरड संगठन के शाषी नकिय क अडुडकषतड गुरहण क ड ड।

## डुरडुख डडड

- शुरड और रोजगार सकडड अडूरवड कंडुरड को अकतुडर 2020 से डून 2021 तक क डवडुध के लडड ILO के शाषी नकिय क अडुडकष कूनड गड ड।
- ILO के शाषी नकिय के अडुडकष क डड अंतरराषटुरीड सुतर के डडतुतुव क डड ड। शाषी नकिय (Governing Body- GB) ILO क शीरुष कडरुडकडरी नकिय ड ड।
  - शाषी नकिय क डैठकें वरुष डें तीन डर डरुड, डून और नडुंडर डें आडुडकडड क डडती ड ड। डड ILO नीतडडर नरुणडड लेतड ड, अंतरराषटुरीड शुरड डडडेलन के लडड एडेंडड नरुडररतड करतड ड, डडडेलन के डूरडन डुरसुतुत करने के लडड कडरुडकुरड डुरररुड तथड डडक को सुवीकडर करतड ड तथड डडरनडडशक (Director-General) क कूनडव करतड ड।
  - ILO क डुडडक नीतडडड अंतरराषटुरीड शुरड डडडेलन के डडडुडड से नरुडररतड क डडती ड डसकड आडुडकन डुरतुडके वरुष एक डर डून डें सुवडुडररलैड के डनडवड डें कडड डडतड ड ड। डसे डुररडुड: अंतरराषटुरीड शुरड संसड के रूड डें संडरुडडतड कडड डडतड ड ड।
- अडूरवड कनुडरुडर शाषी नकिय क आगडड डैठक क ड अडुडकषतड करुंगे डसकड आडुडकन नडुंडर 2020 डें कडड डडगड ड।
  - डड संगठतड अथवड असंगठतड कषुडर के सडुडी शुरडकडुओं को सडडरकड सुरकष क सडरुडडुडकडरुण के संबुंध डें डररण डसुडुड करने के अलडव शुरड डरडरर क डठुररतड को डूर करने के लडड सरकडर डुवरर क ड गड डरुवडरुतनकडरी डहलुओं से डुरतडडडगडडुओं को अडगड कररने हेतु एक डडक डुरडरन करेगड ड।
  - डडडडूरु, आडुडुडगकड संबुंध, सडडरकड एडुड वुडडवसडडकड सुरकष, सुवडसुथुड एडुड कडरुड सुथतडड से संबुंधतड डरर संहतडडुओं से डड अडुडकष क ड डड सकडती ड कडुवे शुरडकडुओं के हतुडुओं क रकष कर सकडती ड तथड वुडडवसडड संकडरलन को सरल डनरकर डसडें सुडरर कर सकडती ड ड।
    - डरल डी डें डररतुड संसड ने आडुडुडगकड संबुंधुओं, वुडडवसडडकड सुरकष, सुवडसुथुड एडुड कडरुड सुथतडड और सडडरकड सुरकष डरर तीन शुरड संहतडडुओं डररतड क ड ड जो डेश के डुररतन शुरड कडनुनुओं को सरल डनरने और शुरडकडुओं के लडडुओं से सडडडुडतड कडड डनर आरुथकड गतडडडडडडुओं को गतड डेने के लडड डुरसुतडवतड ड ड।

## अंतरराषटुरीड शुरड संगठन (ILO)

- डड संडुकुत ररषटुर क ड एकडरतुर तुरडडकषीड संसुथड ड डसकड ड सुथडरन वरुष 1919 डें वरुसडड क डंधडुवरर ररषटुर संघ क ड एक संबडुध एडेंसुड के रूड डें क ड गडु डी ड।
- डड शुरड डरनक नरुडररतड करने, नीतडडडुड वकडसतड करने एडुड सडुडी डहलडडुओं तथड डुरुषुओं के लडड सडुड कडरुड को डडडव डेने वरले कडरुडकुरड तैडरर करने हेतु 187 सदसुड डेशुओं क सरकडरुओं, नडुडुडकतडडुओं और शुरडकडुओं को एक सडुड लरतड ड ड।
- वरुष 1946 डें ILO, संडुकुत ररषटुर से संबडुध डहलु वशडडुड एडेंसुड डनर ड।
- ILO डें कडरुडरुवड क ड डुखुड सडुधन अडसडडडुओं एडुड सडडडुडुओं के रूड डें अंतरराषटुरीड शुरड डरनकुओं क सुथडरन करनड ड ड।
  - अडसडडड अंतरराषटुरीड संघडडुओं और ऐसे डुडकुरण ड ड, जो उन डेशुओं के लडड कडनुनी रूड से डडडुडकडरी डरडडडुओं क नरुडडरण करते ड डनडके डुवरर डनक डुषुड क डडती ड ड।

- इसकी अनुशंसाएँ गैर-बाध्यकारी हैं और राष्ट्रीय नीतियों तथा कार्यों को उन्मुख करने वाले दशा-नरिदेशों का नरिधारण करती हैं ।
- वर्ष 1969 में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन को नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया ।
- यह वार्षिक [वशिव रोजगार और सामाजिक दृषटकिण](#) (World Employment and Social Outlook- WESO) रुझान रपौरट जारी करता है ।

## भारत और ILO:

- भारत, ILO का संस्थापक सदस्य है और यह वर्ष 1922 से ILO के शाषी नकिया का स्थायी सदस्य रहा है । भारत में ILO का पहला कार्यालय वर्ष 1928 में शुरु हुआ था ।
- भारत ने ILO के 41 अभसिमयों की पुषटकी है, जो कई अन्य देशों में मौजूद स्थतिकी तुलना में कहीं अधिक बेहतर है ।
- भारत ने आठ प्रमुख/मौलिक ILO अभसिमयों में से 6 की पुषटकी है । ये अभसिमय नमिनलखिति हैं:
  - बलात् श्रम पर अभसिमय (संख्या 29)
  - बलात् श्रम के उनमूलन पर अभसिमय (संख्या 105)
  - समान पारश्रमकि पर अभसिमय (संख्या 100)
  - भेदभाव (रोजगार और व्यवसाय) पर अभसिमय (संख्या 111)
  - न्यूनतम आयु पर अभसिमय (संख्या 138)
  - बाल श्रम के सबसे वकित स्वरूप पर अभसिमय (संख्या 182)
- भारत ने दो प्रमुख/मौलिक अभसिमयों, अर्थात् संघ बनाने की स्वतंत्रता एवं संगठति होने के अधिकार की सुरक्षा पर अभसिमय, 1948 (संख्या 87) और संगठति एवं सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार पर अभसिमय, 1949 (संख्या 98) की पुषटकि नहीं की है ।
  - ILO की कन्वेंशन संख्या 87 एवं 98 की पुषटकि नहीं करने का मुख्य कारण सरकारी करमचारियों पर लगाए गए कुछ प्रतबिध हैं ।
- ILO ने कोवडि-19 के प्रकोप के कारण धीमी पड़ चुकी आर्थिक गतविधियों को बढावा देने के लयि कई भारतीय राज्यों द्वारा श्रम कानूनों में कयि गए परविरतनों पर गहरी चति व्यक्त की है ।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-assumes-the-chairmanship-of-the-governing-body-of-ilo>

